प्याज, आलू तथा दालों के निर्यात पर प्रतिबंध

107. **श्री कपिल सिब्बल:**
श्री बरजिन्दर सिंह:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में सरकार ने प्याज, आलू तथा दालों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है;

(ख) यदि हां, तो यह प्रतिबंध कब लगाया गया;

(ग) क्या यह भी सच है कि उक्त प्रतिबंध से पूर्व इन मदों के निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं था;

(घ) यदि नहीं, तो इन मदों का निर्यात करने के लिये किन-किन मानदण्डों का पालन किया जाना आवश्यक था; और

(ङ) चालू वर्ष में देश से प्याज, आलू तथा दालो के निर्यात पर प्रतिबन्ध लगाने से पूर्व इनका कितनी-कितनी मात्रा में निर्यात किया गया था?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े): (क) से (ङ) प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध दिनांक 12.10.98 को लगाया गया था और आलू का निर्यात दिनांक 27.10.98 को प्रतिबंधित किया गया था। दालों के निर्यात से संबंधित नीति में हाल ही में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

दिनांक 27.10.98 से पूर्व आलू का निर्यात मुक्त रूप से अनुमत था। दिनांक 12.10.98 से पूर्व प्याज का निर्यात-नाफेड के माध्यम से किया गया था। दालों का निर्यात 5 कि०ग्रा० के उपभोक्ता पैकों में मुक्त रूप से हो रहा है।

आवश्यक वस्तुओं के बारे में निर्यात और आयात संबंधी नीतियां समय-समय पर इन वस्तुओं की घरेलू उपलब्धता तथा उनकी कीमतों को ध्यान में रख कर तैयार की जाती हैं।

नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों (अनंतिम) के अनुसार, चालू वर्ष के दौरान (जनवरी से अक्तू; 1998 तक) निर्यात की गई प्याज की मात्रा 295183 मी० टन है। (स्रोतः नाफेड जनवरी और जून, 1998) के बीच कुल 13,577 मी० टन आलू का निर्यात किया गया है। अप्रैल और अगस्त, 1998 के बीच देश से कुल 52,471 मी० टन दालों का निर्यात किया गया है। (स्रोतः डी जी सी आई एंड एस)

इस्पात संयंत्रों का नवीकरण

*108. **श्री जनार्दन यादव:** **क्या इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बोकारो, दुर्गापुर और भिलाई इस्पात संयंत्रों के नवीकरण पर अब तक कितनी धनराशि खर्च की गयी है;

(ख) क्या नवीकरण के पश्चात् इस्पात उत्पादन में वृद्धि हुई है;

(ग) क्या यह सच है कि सभी इस्पात संयंत्र घाटे में चल रहे हैं; और

(घ) यदि हां, तो सरकार घाटों को पूरा करने के लिए कौन-कौन से कदम उठाने जा रही है?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस): (क) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में आधुनिकीकरण और प्रोद्योगिकीय उन्नयन की योजना पूरी हो गई है। बोकारो इस्पात संयंत्र में यह योजना कार्यान्वयनाधीन है। दुर्गापुर इस्पात संयंत्र और बोकारो इस्पात संयंत्र में आधुनिकीकरण और प्रोद्योगिकीय उन्नयन की योजनाओं पर अक्तूबर, 98 तक क्रमशः 4637.14* करोड़ रुपए और 1932* करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं।

भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए इस प्रकार की कोई आधुनिकीकरण योजना शुरू नहीं की गई है।

(ख) आधुनिकीकरण के बाद दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में उत्पादन में वृद्धि हुई है। बोकारो इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण 1998-99 में पूरा किए जाने की अनुसूची है तथा उत्पादन पर इसके पूरे प्रभाव का पता उसके बाद चल पाएगा।

(ग) सेल के सभी इस्पात संयंत्रों को हानि नहीं हो रही है।

(घ) अपने संयंत्रों के निष्पादन में सुधार करने के लिए सेल ने कई कदम उठाए है। इन कदमों में अन्य बातों के साथ-साथ तकनीकी आर्थिक प्राचलों में सुधार करके लागत में कमी करना, मांगोन्मुखी उत्पादन, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना, उद्यमशील और ग्राहकोन्मुखी विपणन के जरिए बिक्री बढ़ाना आदि शामिल हैं।